

(१०)

श्री गिरौदय ग्रंथभाषा
लक्ष्मी

१

२

श्रीगणेशायनमः ॥ अथ श्रीगिरिपदवन्दनं ॥
 व्यतः ॥ होहा ॥ श्रीवाराणसी श्रीगणेशाय नमः ॥
 समाज ॥ वन्दोता कुरु मरापदस कुरु सिद्धि सिनता ॥
 मुक्ति भूमि सवमध्यमे जयो नाली क्रोश ॥ तिन ते नाय ॥
 नप नमत वंता कौ कौ नो नाली ॥ होहा ॥ यनम नयसो ॥
 इह शजो वर्धन गिनि नाज जह ॥ महिमा स कुरु अह ॥
 नाथानाथ विहार थल ॥ योपाद ॥ ॥ वन्दो प्रथम ग ॥
 नहिसिन नाद ॥ जेहि प्रसाद सुन्दर मति पाद ॥ उन नह ॥
 वमरिनाश कजोती ॥ सुमिरत तदि मद्रि कि पहाती ॥
 पुनि वन्दो महि सुनारि ननाइ ॥ जेहि न स कल सिद्धि उन ॥
 पवन कृमान च न धनि धना ॥ हेतु पि मर मति कृपा निपा ॥
 व्यास आदि जे अग्र य मुनीश ॥ तिन क जुगल य न धनि शोका ॥
 धुनि सुत वन्दो पद लली ॥ अपन क विन वन्दो मति कलसी ॥
 नाम कलसे जीत जेगाये ॥ तिन प्रनाम क नालि न नाय ॥
 भय जे अहं हिते इहे आजे ॥ प्रसा जोस वहिक पद लली ॥
 होहा ॥ नाथ कलस मान सवति नैसी लमह नाइ ॥ धनित गो ॥
 वर्धन कह न हित सजी निरि कनो सहाइ ॥ अति अर्थाध हे चरित ॥
 धन से सन पावत पाय ॥ सोमै क से कहि सक ॥ अति मति मंद गवा ॥
 ना होहा ॥ सवसे क गनि हेतु धि जीवै क वि चान ही ॥ कुरु ॥
 कृपा सन जो न डन ॥ जेहि ज सवि मल ॥ योपाद ॥ ॥ ॥
 वन्दो न न जल मति मे आ ॥ जो क प्रगडे नाम कथे आ ॥
 नाम ते वती पद जल जाता ॥ वन्दो तिन हिलो कपित माता ॥
 कल ना धि का चन नम नाया ॥ जेहि प्रसाद सुन्दर मति पावो ॥
 नयित न पाक हवा नहि नाया ॥ प्रसा जो धि हेतु निज नाया ॥
 पद विन विन नै नै नै नै ॥ अति अर्थाध न न न न न न न न

८८ जके मध्यवाल कनिजोइ ॥ स्पामास्पामनूपहे सोइ ॥ ॥
 पुनिजरो व मानसुजाना ॥ कीनगिलहितकनोकल्याना ॥
 जासुसुतात्रिबुवनजगपावनि ॥ सनराजयेजेतापनसावनि ॥
 होहा ॥ आगे सवासुजानजोसुवल आदि सिन नाइ ॥ कनसुफु ॥
 लमनकामनाधुविबके अधिकइ ॥ सवी आठमहानि कीम ॥
 रावोतिहेनिहोनि ॥ होइ प्रसन्नपुनधुसकलमंजुमननथ ॥
 मोनि ॥ सोनठा ॥ वनउपवनअनुदेशजिवचनायन ॥
 सवनभिलि ॥ हेहमोहिउपदेशागायो जसजिनिनाजको ॥
 योपाइ ॥ सूतहिकनोप्रनामवहोनी ॥ हेहपुधिनिनमलआता ॥
 मोनी ॥ शोनककेचनननजलजाता ॥ वदोजिनहिकथंमनता ॥
 कनोप्रणामनानदहिकाती ॥ कथानलिकसवपेजगमाती ॥
 शोनकप्रश्नकीनअतिमानी ॥ कहासुततवहृदपविचानी ॥
 सोअवकहोसहितअनुनागा ॥ जासुसुनतवाहेवडमागा ॥
 सहितप्रेमशोनकतवलोले ॥ वचनपनमहुमनुहअमोखे ॥
 सूतसूतवडमापतुझाना ॥ व्यासाशिष्यप्रभुपनमउदना ॥
 कथासकलप्रभुमोहिसुनायड ॥ सुनिसुनिआवराअजित
 सुखपायड ॥ होहा ॥ अवसिकहो जिनिनाजजसपाव
 नवनमपुनीत ॥ नाथसुनायोमोहिकहजालोवठे
 पनतीत ॥ श्रीगोवर्धनविमलजसकोनयुनेन
 ननाइ ॥ अतिअदभुतजदकीनजसगधाजाहो
 नाइ ॥ सोगछा ॥ धन्यधन्यतवप्रेमजोवर्धन
 जससुनमको ॥ कथानलिकअतिनेमकहोसा
 सादनसुनुहतम ॥ जोपाइ जोपाइ नाम

एकसमैना नरमुनिना ॥ गवउजनरुप्रप्रतिद्वषाड् ॥
 मुनिआगमनसुनतोमिथिले ॥ प्रतिअनंदसवनाहअवलेसु ॥
 विप्रनसहितगधनरुपकीका ॥ मुनिहिनाहीसकप्रागेसीका ॥
 मुनिहिप्रसीसदपतिरुहेना ॥ कपालपूछिआइवडकीना ॥
 नपकोलेतवधधनसोहीड ॥ कशवहमानआजुमुनिनाड ॥
 जवहमिहासकपाकनिआवे ॥ होइसुफलदनसनजवपावे ॥
 सुनतोक्षपाकीनवतभाही ॥ आइदनसदीनेडेअवृशनी ॥
 धन्यआजुभैभाप्रहमाने ॥ पावादनसमुनीसुतोने ॥
 होहा ॥ भयउआजुवडभागमममोहितमाननहिकोइ ॥ इनस ॥
 नलेमुनिनाथतवसवेअमंगलखोइ ॥ मिलेविप्रसुनसाधुज
 हितोहसमनाहिनओन ॥ होतमुजससुखभागनहिसकसु
 मंगलमोन ॥ सोनडा कहुपासुनिनाइचदनधमिपुनिप्रनि
 कहुड ॥ जिनिनाजहिजसगाइमोहिनिमितकनिपेप्रभा ॥ चौपा
 तवकोलेनानदहनवाड ॥ गिननाजहिजसुनोसोहाड ॥
 नंदहिकहेठसनंदसुनोइ ॥ सोमसंगकहुवेममगाड ॥
 तमपनिपूननकलानिधाना ॥ सुनभोकोकवासजगजोना ॥
 धनाभानहाननमनआजी ॥ नाथासनकोलेमडुवानी ॥
 मर्त्यलोहुतमथलसपानी ॥ हसिनाधायोसीसुभगानी ॥
 जहनावितनपाहेजगनाही ॥ विनजिननाजनमोहितीहाही ॥
 येकनसतजोजनमहिधननी ॥ धनचौयिसपठयोमहिपनी ॥
 ओजमससासहतसवजहे ॥ जाइसकलकलिकलुवनसहे ॥
 होहा ॥ देअनुसासनकहेउप्रभु ॥ सोसवेभूमाहि ॥ सहित
 अंशओतवजेयनितकनवतुमपाहि ॥ मुनिप्रयासवनाथ
 सोसवमलउहनवाडे ॥ कनिवि ॥ योनवजतनतिनवसेभुमिप ॥
 एआइ ॥ सोनडा ॥ सुनुतुनप ॥ तिवरुत्यासुजसुनीतपावन ॥
 शोनकीजिसवआसम ॥ मनअस्थिनकधिसुनुआ ॥ चौपाड

यद्विधिपिपयिप्रभुसुम्माइ ॥ धनैवाकतेव न तपठा ॥ ॥
 मानतपस्विन देशप्रनुपा ॥ शास्त्रमतीतपद्मो गिनिभूष ॥
 तेहिमहजन्म गोवर्धनभये ॥ देवहविष्णु ननभूनिभूने ॥
 आदिहमायलजेगिनिनाजा ॥ आपेइसगोवर्धनकाजा ॥
 कनिप्रनामसवगिनिचिननाइ ॥ गोवर्धनहिभीनगिननाइ ॥
 सकलप्रोद्वनमिलिबचनउभे ॥ कसरूपगोवर्धनप्याने ॥
 यन्नायनहिकतैपननामा ॥ धेनुलोककेशिनप्रथामा ॥
 होहा ॥ आतपत्रकीनेप्रभुनेहोतेमसिनताज ॥ हंसवप्रजा ॥
 वदेनजगितुमहिमहागिनिनाज ॥ कहप्रसवचनपूजिसवगेगिनि ॥
 निजनिजपास ॥ कदतपुनतगिनिनाजजसविसुतनाहिनत्रा ॥
 स ॥ सोनहा ॥ कनगातार्थकेकानधरुतआपेइहोताकुहा ॥ देवि ॥
 गोवर्धनसाजबडेलोमहुनिभूनेभये ॥ चोपाइ ॥
 फलआफूलविठपवुननामा ॥ निनभनगुहानिनविषुवनामा ॥
 नतनमसितलंगसोहाइ ॥ मशामपजडितवननिनहिमाइ ॥
 साधामगमजहेवुनभाती ॥ अलिबिहुंगवतअगिनतजाती ॥
 मुक्तिपदानथपजगकाही ॥ मुनिहिलोमनाजउमनजाही ॥
 कहेउडोरासनवचनसाहाइ ॥ कनिबुभानिजिनीसवडाइ ॥
 अर्थआपनेतवठिगआपे ॥ इक्षिदसतवसवफलपापे ॥
 अवजोंचंनोकनोत्पतोही ॥ सुमजप्रत्रआपनहुंमोही ॥
 काशीविश्वनाथकेधामा ॥ तहलैकनिहोचूननकाजा ॥
 होहा ॥ पुनिमुभगसनकोशानेमुकदेतववकेत ॥ नदतकु ॥
 तथापितकनीकननातपस्याहेतु ॥ जंगतंगजोहीपुनज ॥
 अतिहनतसकलत्रेताप ॥ तेहिताडकासीमध्यमेतजु ॥
 तैकैरिहोपाप ॥ सोनहा ॥ सुनिमीगीसमुनिवयन ॥
 वडोसोचननमेभया ॥ हितचितनाहिनयेनसुतसने ॥
 हइतआपडन ॥ चोपाइ ॥ चोपाइ ॥ चोपाइ ॥
 लैकरिहोइरथा

धीराकीनसुगंधसुकाइ ॥ मोहमहाककुचननिनजाइ ॥
जावसुधननममुनिपुनसाथा ॥ सहितप्रजाममभयेनअनाथा ॥
धुविधितनयेनितिसिखरीना ॥ धीराकीनरुआशीषकीना ॥
कहागोधर्धनसुनुमुनिनाइ ॥ केहिप्रकानममभानउठाइ ॥
लंघितजोजनआठप्रमाना ॥ जोजननसचौठाइजाना ॥
उदजोजनउंचौहोनाभी ॥ तेहिसेमानकनकनोधिचानी ॥
तववोलेमुनिजिगलोहाइ ॥ ममकनतातबेहुनुमआइ ॥
कहिगीरीसप्रसनाहिनऔहो ॥ वाचाईउतबेसंगजैरहो ॥
होहा ॥ मोहिजरातुमथापिले ॥ नहिहोतौनेठाव ॥ वेवमसा ॥
मुनिधनकहेउचलोहजानेगाव ॥ मुनिकेकनचठिकै ॥
चल्योमहामोहमनमाहि ॥ जनकजननिपननामकनि ॥
(कुकुक्लोचतनसाहि ॥ लौगठा ॥ कनरहिनेमुनिलीन ॥
मनमनमध्यायलेउ ॥ कजपुचैउप्रवीनपूजन ॥
नमतहुधुधिमइ ॥ चौपाइ ॥
धेनुलोकनाथवेहिऔहो ॥ बालसमपमेजोचनेहो ॥
सकनचनितमनिहोहिहाइ ॥ वासहमानसरायेहिभाइ ॥
असमनसमुभूषानरुकीना ॥ भवेअमितनिखिमनअतिहीना ॥
पुर्वधधनविधिसवनभुखानी ॥ तहाथापिहुंइरजलजानी ॥
कनिलधुसंकजपहिमुनिअपे ॥ चलोतातअसवचनसुनाये ॥
तवचोलेजोधर्धनगाइ ॥ निजैअसुनउभौमुनिआइ ॥
अवनहिजावेसाधतसाग ॥ सायलपमरानाथहमाने ॥
वचनअसत्यहोइजोबलु ॥ तेहिनेहमनहवैपेहिथलह ॥
होहा ॥ वचनसत्यसममाननहिस ॥ तवधेउससान ॥ सत्यसे ॥
प्रीथीनहेधनेलकलमहिभार ॥ ॥ ॥ सत्यसमाननमान ॥
भउसत्यनहितगतिहीना ॥ सोसनसमुभउविधिजनहुतुमकाइ ॥
मोहलवनीन ॥ सोनडा ॥ जोनेविबे ॥ चिसासापलममकाइ ॥
अहि ॥ नमनिमयसाइहोनाचो ॥

अधिधितु तत्र तत्राप्युत्तर ॥ तिलमिजनेदिनप्रतिमहिजा ॥
 मधलमिजुतपिनीप्रभा ॥ तवतमिजुहि होइमिजना ॥
 तवतकलिहिजासनहिजा ॥ तवतजीवमनप्रधिकउत्तर ॥
 जीवधनजनमलोहा ॥ मतिप्रजुलानप्रगतमेगा ॥
 तनेपापमासीनकनमला ॥ तनवधनंजयजिमिजिनिवला ॥
 पनमपवित्रचनितप्रवहानी ॥ अवनपुष्टदसवननप्रजुनानी ॥
 जिनिचनितजीवननहानी ॥ कहेउजथानिजमतिअनलानी ॥
 कोलेमोनकप्रतिमहानी ॥ अपनचनितप्रवहानी ॥
 एन ॥ कुंछुओनचनितवनननकमौसुनिजेनसुखमनदना ॥
 जिपतपमिधुमिधचनलुनिप्रतिमेनलेनोनेकहा ॥ अपनोने
 जोमिजनाजपनितकजमेनसज ॥ होइकहा ॥ सोप्रगठकनवाधाम
 भवेइजेहिजसकहिना ॥ होइकुनिपानकीबडीपीनपमिजसं
 ननुनिना ॥ कोलेउजदगदसततवउनआनदेनसमा ॥ धिप
 धनसुनिधनसुनपदेतसहितुलास ॥ विधिजवाचरित ॥
 हेनुनोजोसुनेधुला ॥ सोनडा ॥ सुनोनिधेमनलाइच ॥
 नितप्रपमिजानाजके ॥ सुनतसकनअधजाइकजमेनजमे
 जोमच ॥ चौपाइ ॥ ११ ॥ पननिधेपदगमिधुला ॥ जोमिपानि ॥
 मनसहितुलास ॥ जिनिजोवधनसामडा ॥ तिसंगमेहिधुला ॥
 इ ॥ एनसहितमनिगडिचानी ॥ नामस्यामकहिपलकडुगानी ॥
 सनोसकलेउदसुपमला ॥ जेपलेमिडेसकलभममला ॥
 पनिसनतमकुसुवगानी ॥ किनचनितजेहिधिअधिनाकी ॥
 धकीसमपआपमिपानी ॥ इनुजसवहिमनमानो ॥
 नरआदिउपनंरुजते ॥ लाग्गोजसंभाननते ॥
 सोसवहेपस्याममदवनी ॥ प्रकृतनंदहिकतुमठानी ॥
 सुनोस्यामसुनपतिपूजा ॥ इनसमदेअवननहिइजा ॥
 होहा ॥ दोहिप्राकप्रशान्तवदहिसकलसुखसाज ॥ जलसोजिमा ॥
 नसकेकनओनहीइतनजाज ॥ जोधनसोहा ॥ चारिमेओनजन
 नोहिनसकदिनिजधिदोहा ॥ जोधनसोहा ॥ चारिमेओनजन
 नोहिनसकदिनिजधिदोहा ॥ जोधनसोहा ॥ चारिमेओनजन

अनेक वषरी शास्त्रासहितधराइ ॥ जो चलाचतुर्वर्ती व
 चपकतकनवाइ ॥ सो नठा ॥ अनिमित्तिततलसीद्वहीगंग
 पुनपिनीन ॥ छपतविधिकेभाजजोआनिधनेतेहतीर ॥ चौ ॥
 प्रमिपुजोब्राह्मणभ्रुमाइ ॥ घीदअनाजतवसअधिकार ॥
 ओनसुनसजोभोजननाना ॥ सबनखवायोमोननाना ॥
 कलकधवाककभुजोपी ॥ गउआदिनाचहिसवचोपी ॥
 कीर्नमहोत्सवउजिमिनार ॥ चेहिविधिपुजापानवताइ ॥
 ओनदेसमेपुनतकोर ॥ मोनपइविकाटेजुतसोइ ॥
 धुतभानिकेफूलचढावे ॥ भातिभातिमुद्रुचचनावे ॥
 तामेकहुकहिनएकमिसिजे ॥ विनासर्णपुजाभहिकीजे ॥
 ललजामलहितमिनिनाइ ॥ पुजाकनैअधीकफलपाइ ॥
 रोहा ॥ जोचेहिविधिपुजारिजिनीहिजोठनसहितहजालको ॥
 ठिनतीनथफलमिनेसुनहउपमिरुहलास ॥ धनविप्रमिजिदि
 नाजकोपुजाकनैजोकोइ ॥ शोनकहुनिअभिलुखचरेअंतफरा ॥
 पुनसोइ ॥ सोनठा ॥ सुनतसकलजलोजनंदसनंदनअपमसव ॥
 भेसवविसमितजोगनिदिविधैजापुजिमिनि ॥ योपाइ ॥ १५
 थ ॥ जोनंदजसममिहनवाइ ॥ सहितसमजीसुतसमुदाइ ॥
 गर्जहिनेदनापसेगलीनो ॥ अतिआदरपुजहिमनदीनो ॥
 ओषधभाजसहितपनना ॥ पुजनचलेसकलसुखकना ॥
 कीर्तिओगोपीसवज्वाला ॥ गोधनसहितचलेततकाला ॥
 लेलेजससमजीसवही ॥ मिमिकेनिकठधनेसवतथही ॥
 नाधाचलीसकलपुनखानी ॥ तालुपकिमिकहोयखानी ॥
 सिविकामुभगधननिजहिजाइ ॥ जेहिचिकोकरविधिजिसकुवाइ ॥
 कोटिभानेहिधाननप्रोभा ॥ देखतेमानप्रतीमनजोभा ॥
 छन ॥ पुनखानिपविधानिनाधाकवनविधिवननकनो ॥ सची
 लानंदमालुजलीतिनहिकसपठतनधनो ॥ जेहिजोनप्रतिप्रसादा ॥
 लाजपुडनसपुनाधनपेनो ॥ तेहिजोनउपमादेहुमतिनाहिजा
 तधानीपुधीहमो ॥ रोहा ॥ छविसमहनेनिमसिकेवृत्तियमनअ
 पुमानि ॥ धननवैदिकनैकिंचितकहोयखानि ॥ योपाइ

इत्थं फलप्रदं हि न पुनि ॥ यनसकसुदेश ॥ मनहि दयत ॥
 धनस्यामको सुमि न लमि ठत कलेश ॥ तो न ठा ॥ सु नु न पमि ॥
 एतस्यास शो न क कथान सार अति ॥ ते हि पुन ये सब आस ॥
 जे वस की ने उस्यान को ॥ जो पाइ ॥ १६ १६ १६
 को ॥ न इन्द्र शान दनि के वे ॥ मुषस मान हि राधा के ने ॥
 बेनी उर्ज ल नि स अति से हे ॥ कुपु म क ली पी च वि र मन मो हे ॥
 मी न विंज म य सा व क ने नी ॥ भाल वि सा ल म धु न पि क वे नी ॥
 (फरा ल लो ल श्र प रा हो फल के ॥ मनु र्ज म मि मुं अंग द वि द् ल के ॥
 म् कु ठी कु ठि ली त ल क व न वों श्री ॥ जनु वि बु व न सो ना ति न चा की ॥
 उ न त ना श की न जनु र प ॥ ॥ वि म्बा ध न कु वि धा म प्र रं रा डा ॥
 इ श न पा ति मो हि न हि क हि जा ड ॥ धि बु क मी व म्पा त सु न र ना ड ॥
 मुं जा ड नो ज जे ध मी य न ना ॥ अ ति सु न र फ हि जा त न य न ना ॥
 हो हा ॥ भ व न स क स सु रेश जो ल वि न से न प हि ना ड ॥ अ ति म्भु ॥
 त पु म न र प क नि य ली पु ज न मि नि ना ड ॥ ल की लं ग च हि पा न प ना ॥
 वि वि का अ ति ध वि द् ॥ नं र सु व न र वि लो ली ली लो ट न र न ॥
 ध लो आ र ॥ तो न ठा ॥ लो ट न म्भे लो धा म र वि व न नि क र पा लो पा न ॥
 मुं ग ल अ लो कि न र प ल वि मु न धी प ने न ति मा न ॥ जो पा र ॥ १६ ॥
 को टि न को ॥ लं ग स वि लो हे ॥ आ ठ ति वा प्रि वा अ ति लो जो हे ॥
 ल वि ता ल रि त वि शा स अ नो ॥ य न्ना न ना य व न ग हि जा नो ॥
 न मा म्भ धी वि न वा म्पा वा ॥ फ ला ल न स नि पु त्तु मि रा पा ॥
 इ श इ श के जी स व जो पी ॥ य ली लं ग स व मि लि अ ति यो पी ॥
 मुं ती ल क ल व द न की मि ता नी ॥ जो पी आ ड भ द स व ति र नो ॥
 अ व ध उ ती ये क ठ नि या मि ॥ स क ल लं ग स व क ने लु पा ति नि ॥
 जो प ध धि शि मुं वा स वा ने ॥ नि ज नि ज नू चि न वि भू व न आ ने ॥
 हा न मुं ज व न मा ल सो हा र ॥ ने लु प टि क न ॥ न ठि म्भे आ र ॥ दो हा
 से हा ॥ क नि लि गा न से न ज न त म्भे नि नि व न पा ल ॥ न ज नि वे यो ॥
 वि प्र ल म ति धि ल क र व ह ला स ॥ गो ध र्ध न ने लु भ ग अ ति व न नि ॥
 न जा स क पा ॥ स प र्म नि पि म ति न डि त न न नि न व त ल ल म नु प ॥
 ल न न ॥ जो वे न क ने नो n

५
 धेद पदस्य धियप्रसेवाय ॥ त्वामस्य तत्तयमिनि हि पुजाय ॥
 दिन न पुत्रिवाट होमश्चिन्तनी ॥ गड भन की हवा स लेधन ही ॥
 सकल वस्तु जो इजो इजो आवा ॥ मिनि आने धनि भोजन गावा ॥
 नंददिन हन वस धन पा ॥ गावा हि जो की मन प्रति पोवा ॥
 मिनि पाव केन मात धनि कही ॥ देवेन हा धन क म भन नही ॥
 भोजनो वधन नृप सुहावन ॥ जे वही लागे त्वाम पुजावन ॥
 एक नृप व ज जन के साधा ॥ हो स न जा द भ धि मिनि नाथा ॥
 धनि मिनि नृप त्वाम जो हारा ॥ न स मा द म न क नो म धा ॥
 होहा अन कूट जो चतुर्दिशा या निभुजा प्रभु का ॥ दे ॥
 एते पा धुन भाति के स व धि त्वाम हर्षा ॥ न हि प्र भाव जी न
 नाज के स व न मानि धि त्वा ॥ कि ति ठ के पुन म नो ह नं ग र नि
 न धि नि ठे भ व न रास ॥ सो न रा ॥ भ व न नृप न र ध्या न आस ॥
 जी व ज जन न के ॥ प्रति स वे क्ष पा नि धा न च नि त की वे पा व न प्र न ॥
 पोवा ॥ १२ ॥ नंद पुनं स हि त र व भानू ॥ गो वि न ले न ह न न व पा न ॥
 दि न जो जे स न सि धि स वा ने ॥ भानू आ दि स व त व डि प ना ने ॥
 मि न जो व ध न प द सि भ ना ॥ सक ल ह न व नि ज नि ज न र ध्या ॥
 क्ष म च नृ क न च नि त सो द वा ॥ अ ति धि चि त्र मे भु न हि न वा ॥
 मि नि जो व न ध न मा न व डा ॥ जे हि धि वि भ को क र ह स जो डा ॥
 पा प ह न नृ नृ नृ व न ॥ प डे पु ने ना सै न व स ॥
 सक ल काम ना पू न न हो ॥ क नि नि नृ चै न न ला वै सो ॥
 न सै स प च नि त उ न गो रा ॥ पु न तै मि ऽ त प्र च त धि क ॥
 हो हा ॥ सु ना सी न सो जा इ स व न न र त नि क हि दी न ॥ पु नि
 आ व न म न ग स व की प र त व ड की न ॥ न नृ नृ नृ नृ
 व र्त लो ध च न क र हे स म भानू ॥ भै मा पा अ उ मि ल न न ॥
 व ध न ही न क ठा ॥ सो न रा ॥ जी व क नो य ज ना श पा का श
 न सा न न द व ड ॥ च ले मे व त जी न स क र ध र क र न
 ति के ॥ १३ ॥

स्यामवर्णकोऽमेधसोहावे ॥ धीतनंगकोऽप्रतिद्विच्छावे ॥
 हनोनंगकोऽमेधविनाजे ॥ इन्नेगोपत्रभाकोऽभाजे ॥
 नानाविधकेमेधअनुपा ॥ नीलवतीकोऽकाप्रनुपा ॥
 तवहिवहीअतिप्रकलवफानी ॥ गिनितमेतजिमिचहेडवानी ॥
 अतिसप्रप्रलपकालधनगनगहि ॥ नभमंडनमावुहविधितनगहि ॥
 धनधनहानिमिधनचमकहो ॥ चलकैमीतिजानुजगमाही ॥
 धेनिधनहिकिने ॥ अंधिपास ॥ कतुनस्रजेहपपत्ताना ॥
 प्रलपकालजनुसमपत्ताहये ॥ मेधकोपिळजउपनआपे ॥
 पाकसासजहिडेनडनमाही ॥ कनतहनवधजसएलजाही ॥
 छन्द ॥ धुतमेधउठिनिगिआस ॥ धजभूमिपनजाद ॥
 धुतशकलागेकनन ॥ अतिकोविजपनभनन ॥ धहनात ॥
 जिनिपविवात ॥ कीहेधुतउतपाता ॥ धुंरकीकनकसमाना ॥
 धहनातसवभषमाना ॥ अतिकनतपनवाजोन ॥ धुतगन ॥
 जिफनिकेधोन ॥ धजजीवसवभैदीन ॥ गडगोपमुसैन ॥
 नीन ॥ जलधनधिवरतैतमकि ॥ धनमाकसमिनिदमकि ॥
 मैसीतनेसवजास ॥ तेहिछुटिजीवनआस ॥ धुतभातिमन ॥
 हिगजानि ॥ नंदपोपिपुतधेआनि ॥ कनिहाकनउकान ॥
 गोसहितसवपनिधान ॥ हानामहीधनसाम ॥ तवसनन ॥
 अतिप्रभिनम ॥ अजीसुनोप्रभुमोनि ॥ मैदानराआपोतो ॥
 जि ॥ सुनिअनतिप्रभुजैन ॥ पोखीकननधजधेना ॥ जैली ॥
 नमुजावा ॥ लेकमितीकदुआद ॥ सवचलोपुनिवोहती ॥
 न ॥ नैहप्रवेलअसिकीन ॥ चेहिभासिसवदिधुभाद ॥ जिभिना ॥
 नकठिग जाइ ॥ कसिकैकिपोनठअगा ॥ दुखकननसवकी ॥
 नम ॥ रासासभैरौधुवधुतमधुनातन ॥ नंदकिपतेग ॥ लबा ॥

[illegible]

सोमैनी र्थकपननाशन ॥ पादतर्थ सुभीहनिशाशन ॥
 नभगंगाजलस्यामनहार ॥ मानसि सुनखीसो कहुहार ॥ वि
 भद्रसकल अक्षभीसो गतिनी ॥ वेनतयलविजिमितापिनि ॥ ज
 सुनभी दीनजी ॥ जोकननहार ॥ भयो कुरा सो पापहनाइ ॥
 नामजो विन्दु कुरा सुखदला ॥ जलपय रूपजगत विख्याता ॥
 दोहा ॥ तहनहार हनि पद लहे पनिकर्मा कन जोनि ॥ जेजे जे
 नशक कहि पुष्यवर्षि जो पोयेनि ॥ दशास्त्र मेधते प्रथि कफला ॥
 अन्तर्लक्ष प्रजाइ ॥ सुने पडे अभित ककन कथा श्रवणा ॥
 मन जाइ ॥ सो नहा ॥ सुतु न्यपति मन लाइ पान धुनं धनधा ॥
 नम धुना ॥ जेहि कलिक लुखन साइ निवे सुनायो तुम कथा ॥ जो
 २६ ॥ सवै जो पप्रचन जल विभाही ॥ नंदनाज सो कहु हें कानी ॥
 अक्षत यनित कहे उदनाइ ॥ सुतु गुमान गनि ना जण हार ॥ ॥
 बीन देव जन्मे तुम पाही ॥ तुम सुत पै गनि धन न जाही ॥ ॥
 सात दिखन नय पन गिनि शाही ॥ यजे मदावल अचन जभाही ॥
 जिमि जजले इडठा इक वेराइल ॥ उच्छि लिं धिवाल कर्मों विनुप
 अमुमति नंद जो न तुम बनना ॥ कर्म र पयाल कछ विहनना ॥
 छत्रौ लमखल हे द्यन स्याम हिा यलै च न जात कहम मानहि ॥
 सुनि जो पन के येन सुहावा ॥ नंदनाज कहि सवै सुनावा ॥
 दोहा ॥ जग शब्द सय लोक सो सुनिस यमि ठा अदेश ॥ कर्म
 अछे न ये कुरा पति हनि वरान अथे शा ॥ ओषका न जो वरती
 हे श्येत दीप पति जानु ॥ अग्नि नो जभा वरती हे न न न साह
 जान ॥ सो नहा ॥ जो विसर्ज होमा हिन न जाइ ता मानिये
 कहु ॥ बसु रोरि एक माहित मके पुन न ताहि ॥ सो पाइ ॥ २६
 सुनहि भयो कर्म तैहिना मा ॥ सु ॥ जो न के वी त भन स्यामा
 जुग जग धनि वेरु पप्रन पा ॥ छपन न नंद न हल सुन अपा ॥
 ध सुभाहि कल यचित जिन ता ॥ बा सुदयका हे सुनि न नहा ॥

ओव वभान सुता कन लामा ॥ तम पमि पूनन अं गं न जा मी ॥
 जो न नो म इ न के प्र सा रा ॥ धरत ग पुन प्रथम प्र चरा ॥
 ते सुत भयो धजा भयो ठा नन ॥ कं प्रा दि क मान न के फा नन ॥
 नी लाना म अंत न हि इ न के ॥ वेद पा न न हि पा वत जि न के ॥
 सु मित व गो प न अच इ न जानी ॥ ज गं व च न ने हि मि पा जानी ॥
 हो हा ॥ जं प मु मि अ पो तं स न क न न शि शु न के नाम ॥ स व न यो ॥
 लिन हि सी ने उ र हित स कं व अ मि नाम ॥ अ स्तो क हि प न स र आ
 यो मि न नि ज धा म ॥ ज र्ज व च न व व भान सु नि भु म धि मि न वि ॥
 लाम ॥ हो न ठा ॥ वि धि वु र वि न ली की न आ इ न यो त व प्र ग ॥
 प्र भु ॥ रे वि न सा भै सी न प्र ग ॥ भ यो डु र व ह न न प्र भु ॥ यो पा ॥
 २८ ॥ क ह व व भान जो प स न जानी ॥ सु मित व क था दे ह न जानी ॥
 हे अ शो य ज ग लो क अ ने का ॥ अ ति हि उ र न वे क ते य का ॥ ॥
 ति न हि स व न उ प न जो ला का ॥ त हा जो स व य सै अ लो का ॥
 ते हि के डू र न नं ड सु त भ ये ॥ क हि अ व च न म ज न न प भ य ॥
 प्र सा वि न य क न म डु थानी ॥ प्र ठा ठे क म स हि त प ठ नानी ॥
 तां को जी न न हा न न को ड ॥ न प प ना त प न न नो सो ॥
 त म ने कि हे न हो डु वि था हा ॥ पा मि मे छि क न यो उ र हा हा
 ध न भो जी न प मु न के ती ना ॥ अ रानि क न ह सि न हि नी ना ॥
 हो हा ॥ स क ल वा त ज नो स वे स्या म स मा रे ॥ अं ग ॥ यो मे ज नि
 स से क नो न स दे स त स ग ॥ ओ न ल नो पे क था त स य जो लो
 क अ स था ना ॥ इ न के स ग आ पे न स वे ज र्ज व च न प न नाना लो न ठा
 ना ॥ हि न क डू स दे ह नानि त ते हि र न न स ॥ व च न वि प्र क न पे ह
 वे द भे द सा भ त न ही ॥ यो पा ॥ २९ ॥ २९ ॥ २९ ॥
 सु नि छ व भान ये न व ज लो जा ॥ स से ग य म मि उ र व लो जा ॥
 नो धा जा मि त वे ह नि ना नी ॥ ज र्ज स स य स व भ ये ड सु थानी ॥
 य मि त अ ति नु न अ न चा ॥ क मि थी न म ति हि ल र नु न भू पा ॥
 कान्प कं य पे क ड श सु र व न ॥ अ वे द न न प व स हि तो ह ठा व न ॥

मंगल

कंसी आदि कंभु आना ॥ ५५ नत सदा ते हिते सध का ला ॥
 धनपति सनि सर्ममातु माते ॥ तुम सन यमिन दिन दधि पाते ॥
 रुकी नंदन गोठ के ना ॥ सुत के धन प्रता पधुते ना ॥
 होहा ॥ लेन पनि रानंद को पठपो हूत वो लाइ ॥ पर सध सुनि
 कलमान नपतु नत ही की नर हाइ ॥ जडित नत नधुत मोति
 के को ठिन हावनि आनि ॥ रीति विभय नंदन ज के सध नद द्य
 सफु पा नि सो नठा देखि भलें दन दू म जो आदि नंद विभय ला ॥
 ध ॥ क हो मो हितो सुत का दन यो का न जत वै ॥ यो पाइ ॥ ३०
 धो ले ॥ हूत भलें दन के नो ॥ तुम समान नाहिन धर मै नो ॥
 जो ना ॥ नन हिस मजग मंही ॥ तो कलमान सुतो कल यो ही ॥
 जो जज संधन को नग नाइ ॥ जै हिस तजि निवन ली न उठाइ ॥
 देखि चरित आदि कल कल भाव ले हि से सफल कनत सने मान
 औ न धन न किमि गनि पेटा ही ॥ नत न जडित सम नि है जा ही ॥
 नंद विभय नति चर नि सि मा ही ॥ अस कहि चर न हन न ह जही ॥
 सस मवि नंद तो चने भा नी ॥ नत न मरि ॥ जडित सम नि हा नी ॥
 के हिस मधन नाहिन मज गे हा ॥ भयो अति सो चया हक नै हा ॥
 होहा ॥ देखि गजा जस हूत धने त सजाहि नम मज गे हा ॥ फे हूत के ॥
 हिवि धिया हमे हू ॥ उ न अधी क स दे हा ॥ आइ स्या म दे से उत प
 हित वरि वतन जडित धर हा म ॥ निज कहि ने की चयाइ त व म सु ह
 महा नि हा म ॥ सो न ठा ॥ बंडु का ले क जि प मा नि नंद ना मय
 ठि के प्रभु ॥ धुत विधि कलो व वा नि क ली धने जो न हा ॥ ज स जो
 ३१ नंद सुनि ना ज सुनि सुत धै धा नी ॥ भयो हूत म न मी गि ला नी
 सज ली न गवा म ह न हा ॥ से त्र मु क फल दे द्यो सव जाइ ॥
 वीत मा ह धर मो ती ल ठ की ॥ धुत भा न अति सुय सो च ठ की ॥
 जो ठि मा न ले न ती न का ही ॥ लिन अच न ज मा ने उ म न म ही ॥
 देखि निधि नंद ना ज ह ने नी ॥ सध न ह न ध उ न म ये उ च ने नी ॥
 ना धा स्या म पे क क नि मा ने ॥ न प थ न र गो म दि ही य ह न ला ने ॥

सुतादीपकीनसुनिजह ॥ मुक्तसोवननेपुनितहा ॥
 मोहिथलजोमोतीकरैदाना ॥ एकहिहा ॥ सुननोसमा ॥
 होहा ॥ एहिविधितेगिनिनाजसउतसवसकलपुन ॥ पुन ॥
 नकाहप्रवचोहोमनिसोवननोह ॥ पा ॥ कोलेउपुनविदे
 हपुनिविधिसुतपदशिनना ॥ गोवर्धनकोतीर्थजोसोव
 मोहिकहोपुन ॥ सातवा ॥ पुनजननकलदीपदोनकथा
 नसालपे ॥ ७ ॥ हावनहिसमीपप्रतिमुकुटो ॥ लोक ॥ १ ॥ पा ॥
 ३१ ॥ गोपीगोपसरेपुन ॥ ७ ॥ पुनजीनजैहजादोना ॥
 पुनपातकेसवकनिमसभंजा ॥ पुनैपिनिहिगोपसवसमा ॥
 तेहिगिनिनैस्यामनितकि ॥ समकनचनितसोतमोहिपी ॥
 तेहिगिनिनैफरुपुनमुनिना ॥ विविहंक ॥ तमहिमासकुपा ॥
 गंगजानसीजेहिप्रधानशिनी ॥ कुरागोविन्दजोलेप्रविसागिनि ॥
 भद्रसोवननाथापुराठा ॥ १ ॥ कुराकुराकुराप्रमितप्रवरा ॥
 लखिताकुरागोपालसोहा ॥ कुसुमाकानसकरसुखदा ॥
 त्यामासजाजिहचिन्हसोहा ॥ तेहदशानप्रतिस्वफलपावा ॥
 जेहिगिनिपित्रस्यामलिबिहीनी ॥ चित्रगिनासोसोनाभिनी ॥
 होहा ॥ येरावजावतसवनजुनतेहिपनकभसुराणि ॥ सिजा ॥
 सोवादिनिनामतेहियेदनकहउचिचाणि ॥ गोपसुवनसयांग ॥
 लैकनुकषेलतस्याम ॥ कनुतिर्थतेहिवेदकहिदनसनतसु ॥
 नधाम ॥ सातवा ॥ नजहिजोसोटेजकीआक ॥ विस्मतेपनमप ॥
 असमहिमाथलकाहितीर्थमहापावनपनमे ॥ पा ॥ ३२ ॥
 जहाचोनयस्योधनस्यामा ॥ श्रीमहिनामतीर्थसुविहीमा ॥
 तेहिथलयेकवनबहुगोपी ॥ यलीहोयेवनअतिचोपी ॥
 सुनिपुन ॥ नयतवाहकथा ॥ सवनस ॥ तेहकोमगआ ॥
 दानहमानेहाअवलामे ॥ कहिसववनजीतिनसपामे ॥
 सजेठेठाममाजमाही ॥ जोनसर्वपदयहोसहही ॥ ॥
 मातपिनैहोयपेपाये ॥ दानलेनतुमपोह ॥ नया ॥

मानव कुंसाद भेनुदोहाइ ॥ हेतुदानप्रवर्गिनिधिगआइ ॥
 कहीअवपनइहीप्रभुदूटी ॥ चलीनवजिलिभांडाफूटी ॥
 होहा ॥ डीठनदेवेडेइनसमहिहृतपनसपनवाला ॥ वनमेअ ॥
 तिहिनिशंकपेइधरेकनैलधुव्याल ॥ जाइकहवतधमातु ॥
 सनप्रोननवनेवाप ॥ सवेसुनाबोमनमतोजोनकरहोआ ॥
 प ॥ सोनडा ॥ पत्रनरोनलगाइदधिप्रथापेबा ॥ वेठप्रज ॥
 होनतिथेइनसाइजाइपनमपदविमके ॥ चोपाइ ॥ ३३ ॥
 नपनमदिससनसवकेने ॥ खेलेउरुविधिसेलधनेने ॥
 रेकहंयतलीतेहिनामा ॥ इनसतनूपहोतधनव्याना ॥
 जहप्रभुनाथहिनीनसिजान ॥ तेहिप्रिगतथलवेहेचान ॥
 जौनभरपुनिप्रभुगिनिधानी ॥ तौनरुपतेहिथनहिनुनानी ॥
 येइसहसप्रोबुसतवनवा ॥ फलिजगजेवितीजयहनवा ॥
 ऐवतसबुहिजोवर्धनबोहा ॥ स्यतःसिध्वप्रगठेप्रभुलोहा ॥
 श्रीनाथदेवअनतेहिनामा ॥ कहसजगप्रसकनहिपननामा ॥
 जेहिगिनिनाजइनसजगकर ॥ तेकलिजगकहुनहिफनितक ॥
 होहा ॥ जूननाथमंगनाथपुनिप्रोवहानिकानाथा ॥ ऐतमुक्ति
 सवप्रहृतसहितवइनिजिनिसाथा ॥ जावर्धनभूमध्वमेभा ॥
 ननतजोहितलाजि ॥ पंचनाथकस्यानहितकनतसवनधडा ॥
 जि ॥ सोनडा ॥ पापनैतेहिसमुहाइपचनमधइनसनकनै ॥ ध्या
 नधनेमजलाइप्रंतनूखेसोमनिमित्त ॥ चोपाइ ॥ ३४ ॥
 श्रीनाथदेवइनसजोकनइ ॥ चामिनाथकोकलतयलह ॥
 जेहिपगहेसुनभीपगचिनु ॥ तहइनलेसबहीअवहीना ॥
 ऐनाथतवरइनसजोकनिरे ॥ अतकालवैकुण्ठसिधनिहे ॥
 पदकनचिकजहजनाइ ॥ इनसतापुकनिमोपुइजाइ ॥
 पेतनेतिथेपतिजिनिकही ॥ कुहाइजवनअंगनतेशिकाही ॥
 ओनकथाकाकहोसुमिश्रा ॥ हर्षतहितसुखलेहउमहीशा ॥
 विधिसतधनकीनमोहिअज ॥ अंगतोनथकहहिजिननाज ॥
 (तुमहीविहितनमसवकेना ॥ जौजकअहअंगजिनकेना ॥
 होहा ॥ कलेसवेप्रठकनसिजिनधनतिथजोन ॥ मसुनहाइ

मन्त्रकूटमदकीनप्रभुजवाहिनसुखसाधन॥ सोनहा॥ नेत्रहेमा॥
 नक्षिगेनासायनूतनोयनै॥ गोविन्दकृष्णप्रर्धजकुंडविबुक्त॥
 पुनिकुलके॥ ओपादु॥ ३५॥ नसनागधाकुलधामनो॥ ललित॥
 सनकेपोलतेहिजानो॥ श्रवणलोकुंडगोपालहिलोदु॥ ओकरांत॥
 कुमुदकनकोर॥ मोनिचिन्हलिजाहैसैविल॥ शिवादिचित्रजल॥
 वाहिनिहेजिल॥ कनुनाशजनेसबकोर॥ उभौकरीसबवातकवोदु॥
 गोरगतिनथजिनिनाजबखानव॥ ओफिकउदनताहिकेमानव॥
 लालीकरेवीउत्रजिनिनेना॥ हैसिगानजिधनभुतिहेना॥ १॥
 चननप्रकप्रभुजनजिनिनाइ॥ धलचिन्हपुधिबेदनगाइ॥
 एनायतपदवदजिनिनाइ॥ सुनभौचिन्हवाइधनसाइ॥
 दोहा॥ ७॥ कुलहेपूछीपुनिचत्सकुंडवरजाहि॥ नरकु॥
 लकहिकोधतेहिकामलनोवनआहि॥ उदितअंगधनपतिति
 नथप्रलितिनथआनं॥ १॥ ग्रहकानजसतिनथतेहिपुनतह
 नतअधुइ॥ सोनहा॥ अंगहतिनथबखानिकहेउसकल
 जिनिनाजके॥ सुनुसैविलसुखमानिसुनसैपापनसासब॥
 चौ॥ १॥ सुनेसकलतीनथजिनिभूखन॥ तेहिसमीपनहिप्रथमोइ
 वन॥ पनगटेहिनवशसथजिनिनाइ॥ नामवोवर्धनप्रतिपुषदाइ
 मुनिअगतिगोवर्धनलोप॥ कनिदनसनगभनआपि॥ १॥
 धनवगोवर्धजिनिकेना॥ इनसमानन॥ हकाउमजभाजा॥
 मुनिनपमुनिधननसिननाइ॥ प्रथमकीनककुप्रतिहोइ॥
 स्याजवशथलसोमिनिनाइ॥ प्रगठकवनविधिबहोपुनाइ॥
 जोपनिपूरातातमकेनासी॥ अजअहेतसकलधठवासी॥
 पालत॥ इजतकनतसहना॥ निजधसजगतमंगतपलाना॥
 दोहा॥ सोईपुनजप्रप्रभुनकोसेसेतनसेत॥ तहिउत्तरगहसेन
 पासुनभीप्राहिनेत॥ तउधामकप्रभुनताजिनचननननननन
 न॥ सोलनकावेडभूतपतिजोतनेलेंसीया॥ सोनहा॥ आमअंसन
 पारिप्रगतीभीनसकोहमा॥ किनेउप्रपासुनामिसुनो॥ नयनयिजन

नस अधिक धिः प्रजिगात् ॥ हनि के श्रुते स प्रज प्रचान् ॥
समा आदि म ए स व से न थ ॥ म ड प प नि वे कि त ज थ न थ ॥
अति मा द र्ज धि ने स व कृ ज न ॥ आ वे य स त नि तु हि स व प्र जित ॥
व ग प र्क ज त अं ज त भं ग ॥ म ग हि नि कुं ज जे थ ह नि सं ग ॥
आ नु ते प्र ग ठ व ह द व न भ वं ॥ लि ल स नो व न ड म स क रे ॥
व हि तो भ यो दि अ स व भू मी ॥ न न न व चित तो भा अ वि भू मी ॥
उ द न नो म से मा ध वि ल त ॥ अ क्षि आ दि स व नु ज ह न ॥
ए धि म न न उ व दि इ जे ते ॥ न भि र म ने उ व जे ते ॥
ह नि न व ली तो प्र थ ल व प नी ॥ श्रु दे श म अ न भ व ह न ॥
हो हा ॥ ह नि न ज ते प्र ग ठ स व ल भू मी स मा स य गो प ॥ नो वं थ
हि ते न न मे अ ग म ते सु व भू प ॥ पु धि ह ते स व ज व स नो व न
वा प को ध ॥ ओ मी पो स य ते न प्र ति वा मे ना धे आ धा तो न ठा ॥
ये स व थ ज मे आ इ प्र ग ठ भ यो ह नि सं ग ति लि ॥ न स भो न तु
व ह द ती ल ग अ ति से तु ध ॥ यो पा द ॥ ३८ ३९ ॥
स्या म त वै धो ले द न वा द ॥ मा ग न चि नि ज म भो न न मा द ॥
अं स व न नि न ज न न ह हो ॥ अ ति मे ना स क नो प्र भु तो ॥
ए व न स प्र भु त थ क ही वा नी ॥ ने व ह द प त थ ल अ नु मा नी ॥
स्या म ज व ति उ न मा हा वे चा नी ॥ गो पी व ल प्र ग ठ स व भू मी ॥
ह र त स ने ह स्या न उ न मा ही ॥ ज ल स अं ज न प्र ग ठ व ह द ती ॥
भ यो प्र ग अ ति से तो भू प न ॥ प व त भू नि प न अ ति प्र व ल व न ॥
न न न भू मे तो ग नि ना ॥ नि न भ न उ न व ह तो ह तो हा ॥
न न भू ति स क ल भ य भू मी ॥ मं थ अ ति हि व र वि व य नी ॥
हो हा ॥ स र म ने जो ज न व र्ध मे स त जो ज न लं वा इ ॥ उ चो ज ज
न पं चा से ते की टि न गं ग थ ठा ॥ स ता स न जे हि नि नि क न यो
ना म ग व र्ध न ता ॥ भ यो तो न स व नो क मे क हि धि ज त तो
को ही ॥ तो न ठा ॥ ये ह वि वि तो ज न ना इ व ड म ता प ते हि ते ज व ल
क ह त न न स व ज र्क म प न म प व न नु ध ॥ यो पा द ॥

अप न सु नो ये कथं शान शान ॥ ना ते क न म दु डे म हि पा ला ॥
श्रो ने क व रु प्र का न म न ला ॥ म न व न व तु म सु नो सो ला ॥
धि सु प स धा ल ण ये क न हे ड ॥ जो म ति ती न वा त सो म प ड ॥
नि नि म्मा न न म थु ना पु न जा ॥ अ व ना शि नी वि लो के ड भा ॥
रि नि ले च यो जो व र्थ न ती ना ॥ किं पित अ स्प ग हे ड म ति धी ना
मं इ मं र च यो मा न ग भी ना ॥ र धि नि श रा य न प्र ति भ प पी ना ॥
ता सु हि र प मे नु प मु नि दे वा ॥ ती नि च न न व ड ठु जा वि रो वा ॥
र ल ती नि के सो ड सो हा ॥ १ क हा य सो ना क व ड ॥ सो हा ॥
स म हा थ जि क्वा ल सित कं ठ व न ते हि नो म ॥ न र्क अ हि न ॥
द वि न य अ ति य क भ यं क न वो म ॥ धु र वु ना त अ नि सै म य ल
सु धि त व त ते दि न के न ॥ दि ज स म नु प आ इ सो र कि यो अ ति ॥
हि म ग ये न ॥ सो न ठा ॥ न हं ड जो न गि नि डू क ते हि त मा ने ड
ता हि क ह ॥ तु न त दे ह त हि डू ड त जि ना र स म यो दि य त न ॥
यो ॥ ११ ॥ प म उ म्म स म न प न लो य ॥ ए वा ॥ य न न सु र च धि
छा पे ॥ ची त व स न य न म ल सो ला ॥ मु क ड शी ल क रा ह ल भा ॥
वं सी ये न र ल सो ड सो हा ॥ अ प न क म स म म न जि न मो हा ॥
जो वि मु ग ल क न वा न हि या ना ॥ दि ज आ गे म रु व च न ड च रा
ध न ध म तु म हो दि ज ना ॥ दि त्प दे ह तु म मो नि छे जा ॥
अं ग ला गि जि न य न के ड का ॥ ते हि लो भ यो पा प स व भू का ॥
मो न पा प न हि क हि वे ला पे क ॥ अ ति स व प्र व ल यो य गि नि स क
सु जि वे ह व च न र र्थ दि ज ना ॥ क स प वा न क न रु र तु म जा ॥
दा हा ॥ क हं ड सि ध गि नि ना ज पे प्र ग ट ल म के न प ॥ इ न स न ॥
ओ म स प न ल ते हि पा प ह न त दि ज भू प ॥ गं द मा दे हि जी त
न न न न ना ण प ला र धि ॥ ते हि ते गु ण को ठि न मि स त क ल गि नि ना
जा हि पे षि मो नि र हा ॥ स ह स रं च के श न त प कं नि पा ये ज व न क ल ॥
ह न मे लो ल ना न मे लो म हि ना गि नि य न हि ॥ यो वा ॥ १२

मलपायलहाटकभविभात॥ दानदेवउविप्रहंकार॥ ॥
 पावेफलजेहिकहभजिगार॥ हेक्षअधीकउतातेहिगिनिगार॥
 मंगलप्रस्थहेममगधात॥ कुमेहनदानतोजेहिगिनिगार॥
 महाखलपाविप्रनयुक्तजे॥ तहेनरगुननफलजुजे॥
 निष्कामकलहजागिनिदेवा॥ पात्राकनितनहिदिजसेवा॥
 आदोमाकृष्णचलकाही॥ जोरहेमभुक्तनकनोही॥
 ओनअलंकृतधेनुमगार॥ दानकनेहनिपुस्तोजो॥
 कनिपनिनमासवभकाही॥ सोफरेगोवर्धनताही॥
 दोहा॥ श्रीकौलरहावर्षेदिदाधनकुंनहा॥ सकलसु
 हृतितीनधकनेजोनेअपणकलयात॥ जोवर्धनकेप्रच
 पनमज्जनफलहिअनंत॥ ध्येकटादिमहेनतेविधाअधि
 ककहिलेव॥ सोनठा॥ जोवर्धनपनजाइदानजपजपजो
 मकनि॥ दासअभपुनपाइतकलवेदसिधोतवेद॥ चौपाइ॥ धे
 धित्रकुंनोमितिपिजो॥ येतेनामजन्मजपेआइ॥
 पात्रपात्रवर्तयेप्रका॥ अलीश्रीतिपात्रसिमुभभावा॥
 कुंडभादो जवपुतिमाआवे॥ नीलस्वरगिनिफातवजावे॥
 दन्तकीलजिनिपतमिकाही॥ कनिअसनानदानगतिजोही॥
 तेहेतेकोटिगुननगिनिगार॥ फलपावेजोवर्धनआइ॥
 सिंदूरजुगोदावपिकाही॥ मायापुनीकुंभेकेमाही॥
 पुष्करपुष्पनरगिआये॥ कुंभेवनविमहजवपावे॥
 चंनमहेकासीफलजो॥ फालगुनपूनननेमिबसोइ॥
 दोहा पैकादशीवधकरेकार्मिकमंकीमाहि॥ अनन
 छविमधुपानीखाएधदूदशिकाहि॥ कार्तिकायाठ
 श्रवंहिओनमहाधठआनि॥ महीखमतिवेधेत्यमेक
 नपनाजेजानि॥ सोनठा॥ अथधेनसनजतीनश्रीरामजन्म
 नोमिदिने॥ धरैजीअतिमतिधनसोवनपावेपुनमपर
 योपइ॥ पातरेशिपूजेयेजनाथा॥ अमासोमजमासमा
 था॥ दशमीसेतर्धनामेश्वर॥ सपतमिदिनमाइमजेश्वर॥
 इनसवधरनतवोअसनाना॥ जेपनदेवअर्थनदिजदानी॥
 कीटिजगातेरितेपाधिकार॥ सिंधुजोवर्धनतेफलपाइ॥

गोविन्दकृतं ह्यहमिहमिने॥ एवमहं पयायेत्यपुधने ॥
 साहसं शत्रुमेधं कृतपाये॥ राजसूयकृतं ते हिसमं प्राये ॥
 मानसि सुनसं विसममिनिनाही॥ देवतैर्जैहि प्रयुक्तं ये देवाही ॥
 गिनधनसमकिने उदिजनां दु॥ तुमसमाननहि को जगभादु ॥
 होहा॥ नहिमानो तो मोनमति देवकृतं विचर ॥ तनकदु
 कनोहि जागे॥ भयो पापसवधान॥ भयो रूपधनस्यामके
 पुनलिपितां धनसोह॥ मुकुटभ्रमलाकुंडलसेधनमा लोचनको
 ह॥ सोनहा॥ मुने उदिधिस्तोत्रमहाद्वयविस्मयप्रवच॥ उमि
 उमि उल्लसितं गतसिध्यहिकहे उद्यहो निदिज॥ यो पादु॥ ६५॥
 पूर्वजन्म प्राचने अधगार॥ दिग्गजपमेही कहे सुनाइ॥
 कहे उदिधिदिजसनेहनपादु॥ येश्वरजन्मपूजधदिजनाइ॥
 योलापनते जूधायेये जेह॥ अति प्रसेन्यमानो ये उदतह॥
 निसलासन ये प्रपाजनाइ॥ मदिनापानकनो अधिकाइ॥
 मातृपितृहिनिपुसुतहिनामा॥ चीनहिजनलेहीने उद्यभावा
 एदुनिपातकी नतिपकाही॥ धनसयहीन उदवलीनकाही॥
 इत्युक्तं कर्तुं उमनसाइ॥ येक धानके सुगुदिजनाइ॥
 अंधकूपवेधका कहाने॥ जौन कर्म कनिननमानउ॥
 होहा॥ विप्रसुनुं धनलोभतेयधे उदिजनसतयेक॥ धनि
 काहुं जौवै शपडन को गनै अनेक॥ मजमांसनके हेतुमै
 जपेहयने सननाइ॥ सर्वसिद्धिमजपादनिजनिधनभ
 यो प्रकुला ॥ सोनहा॥ मोदिधुताडे उदत॥ प्रति सैमव
 लाभपंकहि॥ बाधे उप्रतिमजकुतमहाननकडाउठ
 तवहि॥ यो पादु॥ यो पादु॥ ६६॥ ६६॥ ६६॥
 पेक मन्वंतनकुं नीसाही॥ नमसुमि उनिकल्पत हाही॥
 ममि यौनासि कुंडवृथाका॥ पनजलाधुयीविकीनप्रहा॥
 वर्ष अनेक नैत हकनिवासा॥ उनिमर्क दतनपनसुलासा
 उनिदयाजन्मभयोने शुकन॥ व्याघ्रजन्मशत औसत उदना
 महिषजन्मशतवाधातवही॥ सर्वसुखजानपमोहिदतही॥

यहि जन्म अने कथिताने ॥ रास जन्म नको अकलाने ॥
 कोउ एक सखु सं गच्छ ज्ञापये ॥ वसुन बहू नदधि नभाये ॥
 मोह देवत भगवत के दूत न ॥ मानि मोहि देव पुनित न ॥
 रहा ॥ सिधा व्याधि ते वि कल मति भरी ॥ प्राये तोहि ॥ गिनि ॥
 राजा के अस्म से हति गति दीने उमोहि ॥ भाई धर्म के रूपासे ॥
 नयो मोहि कर या न ॥ सुनु मरहा द्वि जे जाइ हो गो पुनरहे ॥
 विमान ॥ सो नका ॥ कोटि न भानु समान ॥ जे जे अश्व अति सपा ॥
 प्रयत्न ॥ सहस च ॥ अर्ध स्नि ॥ अनु लक्ष पावत न ॥ जे तस्को जे पाव
 ॥ ॥ मंजी न किं किनी बह जा ली ॥ मंजी नु ते सुख अति चारी ॥
 देवत द्वि जे के यो सिध जय हो ॥ पायोगति अति पावन तवली ॥
 चाहियन पावन पित के सो ॥ ते जयंत न विदे विप जै सो ॥ ॥
 फट्ठा दिसा तम भेउ जिपाही ॥ धर्म रूपा जो लो क सिधानी ॥
 द्वि ज पुनि जोगो वर्धन पाही ॥ पवि क्रमा कवि अति नवली ॥
 कवि प्रनाम गिनि के बहू धारा ॥ मोपिल दि ज निभ भवन सिधानी ॥
 पद सव कथा कहें तु म पाही ॥ सुनि पो न क अति सपह पाही ॥
 गिनि राजा के कथा सुहावन ॥ सुनत भवन पावन मन भावन ॥
 छन्द पावे मन भावन शोक न लावन ॥ अति सप अदभुत न विन स
 ही ॥ हनि पुन पावे सव अर्थ ना मो ना प्रो नु नत ॥ प्रनं रति ही ॥ अ
 ति पय म सुजा ना क नै जोगा ना क निधाना ॥ अध सवै दही ॥ ए
 र्क था अनुपा सुनु न न भू पाशो श म ह श ज सो श क ही ॥ अति
 थड भागी जौ ॥ हल वला जी जागी पुन्य पु नान स ही ॥ हनि जस ग
 ये अति सुख पावे भावे मन को मोह म ही ॥ थड गुन आग य ते ज
 सो साग न ना न दसा न द कहत अही ॥ लोठ न दि जे मां वै प्र भु पद
 पावे भावे दिन प्रति ॥ पाये ही ॥ अति प्रेम भाधी ॥ पापु ल क स नी ना
 पुन न सुनो विन सी धानी ॥ म म च सुभा नो दि न रा नो प न म
 प्रेम म न नै भा नी ॥ मे स व व द ॥ पा जी क नि ॥ पु न न गो द म म न न क
 उ ना धा नी ॥ क न पु न म म धा नी ॥ पु न ल स न चि त क र न न

नक्षत्रिण सौमिन सौमिने ॥ सातके भागे प्रत्युपवर्गे
 उपर्युपवर्ग ॥ १५५७ लै पा ॥ ७७ धृष्ट ॥ महिमा पुरिया
 मुप्यकि नक्षत्र नक्षत्र पागे के नक्षत्र लै पागे
 सातके भागे के जो नक्षत्र लै पागे

अथ नक्षत्रनाह नक्षत्र

आ	विषम	स्त्रिपुत्रव	प्रचरुनाडी
पु	विषम	स्त्रिपुत्रव	वायुनाडी
ज	शान	स्त्रिपुत्रव	वायुनाडी
मे	शान	स्त्रिपुत्रव	राहनाडी
म	वृताह	स्त्रिपुत्रव	राहनाडी
ज	वादा	स्त्रिपुत्रव	राहनाडी
उ	अश्व	स्त्रिपुत्रव	राहनाडी
ह	महिष	स्त्रिपुत्रव	राहनाडी
चि	दाह	स्त्रिपुत्रव	राहनाडी
स्वा	विषम	स्त्रिपुत्रव	राहनाडी

वर्षाउ कवीश्व
 आडक १०
 पर्वतम १०
 उत्तम २५
 शरपमा २५

अथ शानिशा उ शानि चक्र

कन्या के पापमा ११ तुला के जेठमा ११ अश्वि के नेत्रमा ११

आने नृपति धिनु इना ज्ञापये नृपति
 पलभ्यश्च नृपति श्यमेवादि क्रमतो गविः

आनमा के जो नक्षत्र ॥ श्रौति ॥ धिमा उपनह जो नक्षत्र ॥ माडी जो नक्षत्र ॥
 दराड लै नक्षत्र ॥ नक्षत्र ॥ नक्षत्र ॥ नक्षत्र ॥ नक्षत्र ॥ नक्षत्र ॥ नक्षत्र ॥ नक्षत्र ॥
 निजान ज